बाड़मेर शहर में स्थित ऐतिहासिक, धार्मिक दर्शनीय पर्यटक स्थल

1. **बांकल माता गढ़ मन्दिर** :– बाड़मेर शहर के पश्चिमी छोर पर 675 फीट ऊँची पहाड़ी पर 16वीं शताब्दी का प्राचीन गढ़ (छोटा किला) था, जिसे बाड़मेर गढ़ कहा जाता था, जिसके अवशेष आज भी विद्यमान है। इसी पहाड़ी पर बांकल माता का प्राचीन देवी मन्दिर धार्मिक आस्था का प्रमुख स्थल है। देवी मन्दिर तक चढ़ने के लिए लगभग 500 सीढ़ियां निर्मित है। मन्दिर के प्रांगण से बाड़मेर का विहंगम दृश्य, आस–पास की पर्वत श्रृंखलाएँ, मैदानी भाग एवं सुरम्य घाटियाँ दृष्टिगोचर होती है। पहाड़ी की सीढ़ियो के मार्ग पर ही नागणेची देवी का मन्दिर भी प्राचीन एवं शक्ति उपासकों का प्रमुख स्थान है।

2. **श्री पार्श्वनाथ जैन मन्दिर** :– बांकल माता देवी की तलहटी में प्रारम्भिक सीढ़ियो के पास ही शहर के कोने पर 12वीं शताब्दी में निर्मित श्री पार्श्वनाथ जैन मन्दिर में शिल्पकला के अतिरिक्त काँच, जड़ाई का कार्य एवं चित्रकला दर्शनीय है। स्टेशन रोड़ से सीधे बाजार होते हुए जैन मन्दिर तक पहुँचा जा सकता है।

3. **शिव मुण्डी महादेव मन्दिर** :– बाड़मेर शहर के पश्चिमी भाग में स्थित सुरम्य पहाड़ियों में सबसे ऊँची चोटी पर स्थित प्राचीन शिव मन्दिर एक रमणीय एवं धार्मिक स्थल है। ऊँची पहाड़ी से शहर का विहंगम दृश्य, सूर्यास्त दर्शन एवं प्राकृतिक सौन्दर्य देखने योग्य है।

4. **पीपला देवी, दक्षिणायनी देवी एवं गणेश मन्दिर** :– बाड़मेर की सुरम्य पहाड़ियो के मध्य घाटियों में निर्मित पीपला देवी, गणेश मन्दिर एवं दक्षिणायनी मन्दिर उपासना के साथ ही स्थानीय लोगो के लिए आमोद–प्रमोद हेतु रमणीक स्थल है। घाटी में स्थित जलकुण्ड के आस–पास पार्क निर्माण के साथ पर्यटक सुविधाओं का विकास भी किया जा रहा है।

5. **सोहननाड़ी ताल** :– सुरम्य पहाड़ियों के मध्य में स्थित प्राचीन ताल सोहननाड़ी का निर्माण बाड़मेर नगर की स्थापना के साथ ही करवाया गया था, जो पूर्व में नगरीय जन जीवन के लिए पानी का एक मात्र स्त्रोत था। वर्तमान में नलो द्वारा जल वितरण की व्यवस्था होने से ऐतिहासिक तालाब की उपयोगिता एवं महत्व में कमी आई है। परम्परागत जल स्त्रोतो को पर्यटन हेतु रमणीक स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

6. **जसदेवसर नाड़ी तालाब** :– बाड़मेर शहर से करीब 3 किलोमीटर दूर उत्तरलाई मार्ग पर स्थित प्राचीन कृत्रिम तालाब जसदेव नाड़ी का निर्माण बरसाती पानी को संग्रहित कर उपयोग में लेने हेतु करवाया गया था, जो आस–पास के गांवो के लिए प्रमुख जल स्त्रोत रहा है, जिसका उपयोग निरन्तर है, उसे पर्यटन स्थल के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। यहॉ शिव शक्ति धाम मन्दिर स्थल रमणीय एवं उपासना का स्थल है।

7. **सफेद आंकडा महादेव मन्दिर** :– बाड़मेर से मात्र 3 किलोमीटर दूर सफेद आंकडा महादेव मन्दिर स्थानीय निवासियों के लिए एक पिकनिक स्थल है।

8. **महाबार धोरा** :– बाड़मेर से 5 किलोमीटर दूर रेतीले धोरे, सूर्योदय एवं सूर्यास्त दर्शन एवं केमल सवारी हेतु आकर्षक स्थल है।